पाठ - 17

पोंगल

प्र०1 शब्दार्थ लिखो -

(1) तमाम - बहुत से
(2) सद्भाव - प्रेम
(3) रोजाना - प्रतिदिन
(4) हर्षोल्लास - विशेष प्रसन्नता
(5) उत्सव - समारोह
(6) आस्था - विश्वास

प्र०2 प्रश्न - उत्तर

(क) सूर्य पोंगल के दिन किस देवता की पूजा की जाती है?
उत्तर- सूर्य पोंगल के दिन सूर्य देवता की पूजा की जाती है।

(ख) भोगी पोंगल में किस देवता को प्रसन्न किया जाता है?
उत्तर- भोगी पोंगल में देवराज इंद्र को प्रसन्न किया जाता है।

(ग) नंदी ने क्या गलती की थी?
उत्तर- नंदी ने यह गलती की थी कि शिवजी ने उससे कहा था कि धरती पर जाकर कहना कि लोग रोज़ तेल मालिश करके स्नान करें और महीने में

एक बार भोजन करें किंतु नंदी ने कह दिया कि लोग रोज़ भोजन करें और माह में एक बार तेल की मालिश करके स्नान करें।

(घ) पोंगल के समय लोग गायों की पूजा क्यों करते हैं?
उत्तर- पोंगल के समय लोग गायों की पूजा इसलिए करते हैं क्योंकि इन्हीं की मदद से कृषि कार्य संपन्न होता है।

(ङ) पोंगल किस प्रदेश का प्रमुख त्योहार है?
उत्तर- पोंगल तमिलनाडु का प्रमुख त्योहार है।

प्रश्न-3 प्रश्न - उत्तर

(क) भारत में मनाए जाने वाले तीन पर्वों के नाम लिखो।
उत्तर- होली, दीपावली, दशहरा।

(ख) दक्षिण भारत में मनाए जाने वाले दो पर्वों के नाम लिखो।
उत्तर- पोंगल और ओणम।

(ग) पोंगल के विषय में किस कितनी कथाएँ - प्रचलित हैं?
उत्तर- पोंगल के विषय में दो कथाएँ प्रचलित हैं।

(घ) पोंगल लगातार कितने दिन मनाया जाता है?
उत्तर- पोंगल लगातार चार दिन मनाया जाता है।

(ङ) सूर्या पोंगल के दिन लोग क्या करते हैं?
उत्तर- सूर्या पोंगल के दिन लोग मिट्टी की हँडियों में दूध, चावल मिलाकर पकाते हैं और सूर्य भगवान को इसका भोग लगाया जाता है। सभी परंपरागत परिधान (वस्त्र) पहनते हैं। घर के बाहर सफ़ेद रंगोली सजाते हैं।

MCQ (बहुविकल्पीय प्रश्न)

2. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ-

(क) पोंगल **दक्षिण** ☑ **उत्तर** ☐ भारत में मनाया जाता है।

(ख) मुख्य रूप से पोंगल पर्व **कर्नाटक** ☐ **तमिलनाडु** ☑ का है।

(ग) यह पर्व फ़सल की **कटाई** ☑ **निराई** ☐ से संबंधित है।

(घ) यह पर्व 14 जनवरी से लगातार **पाँच** ☐ **चार** ☑ दिन मनाया जाता है।

(ङ) मत्तु पोंगल **तीसरे** ☑ **चौथे** ☐ दिन मनाया जाता है।

3. जोड़े मिलाओ-

(क) प्रत्येक पर्व के साथ जुड़ी है।	पोंगल के साथ (2)
(ख) भगवान शिव और श्रीकृष्ण की कथा जुड़ी है।	कोई न कोई कथा (1)
(ग) हमें प्रत्येक पर्व मनाना चाहिए।	आपसी प्रेम से (4)
(घ) त्योहारों के समय हमें रहना चाहिए।	पोंगल (5)
(ङ) 14 से 17 जनवरी तक मनाया जाता है।	मिल-जुलकर (3)

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

भारत - भारत को त्योहारों का देश कहा जाता है।

प्रचलित - यहाँ बहुत-सी भाषाएँ प्रचलित हैं।

हर्षोल्लास - पोंगल तमिलनाडु में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

परिधान - त्योहार के समय लोग परंपरागत परिधान पहनते हैं।

भाषा कौशल

1. जिन शब्दों के अर्थ एक दूसरे के विपरीत हों, उन्हें विपरीतार्थी अथवा विलोम शब्द कहते हैं।

नीचे दिए गए शब्दों के विलोम लिखो-

अंधकार × प्रकाश

प्राचीन × नवीन

असंभव × संभव

अलौकिक × लौकिक

प्रसन्न × अप्रसन्न

सफ़ेद × काला

2. दिए गए शब्दों को बहुवचन में बदलो-

पर्व - पर्वों

खेत - खेतों

परंपरा - परंपराओं

त्योहार - त्योहारों

कथा - कथाओं

दिन - दिनों

3. बाईं ओर दिए गए शब्दों के सही समानार्थी पर घेरा ( ) बनाओ-

पर्व - अपर्व	(उत्सव)	उल्लास
धरती - (वसुधा)	आकाश	व्योम
सूर्य - दिवस	(दिनकर)	दिवालिया
दिन - रात	रात्रि	(दिवस)
घर - (सदन)	संपन्न	सँवारा

रचनात्मक कौशल

जिस प्रकार पोंगल तमिलनाडु का प्रसिद्ध त्योहार है, उसी प्रकार ओणम् किस राज्य का प्रसिद्ध त्योहार है? इस विषय पर अपने विचार लिखो-

ओणम्

दक्षिण भारत के केरल राज्य के वासियों का प्रमुख त्योहार 'ओणम्' है। यह त्योहार श्रावण के महीने में मनाया जाता है। केरलवासी इस त्योहार को बड़े धूम-धाम के साथ मनाते हैं। इस त्योहार के साथ एक बड़ी रोचक पौराणिक कथा जुड़ी हुई है।

बहुत पुराने समय की बात है, केरल में महाबलि नाम के एक राजा थे। वे अत्यंत पराक्रमी, दयालु और दानी थे। उनके राज्य में सुख-शांति फैली हुई थी। यह बात स्वर्ग में देवराज इंद्र तक पहुँची। उन्हें अपने सिंहासन की चिंता हुई। देवराज इंद्र ने भगवान विष्णु के पास जाकर अपनी चिंता बताई। विष्णु ने सहायता का वचन इंद्र को दिया। भगवान विष्णु वामन का रूप धारण करके महाबलि राजा की परीक्षा लेने के लिए मृत्युलोक आ पहुँचे। भगवान विष्णु ने राजा महाबलि से तीन पग भूमि दान में माँगी। राजा दानी तो थे ही। उन्होंने कहा, "हे ब्राह्मण देवता! आप आज्ञा दीजिए, कहाँ तीन पग ज़मीन आप लेना चाहते हैं?" भगवान विष्णु ने विराट रूप धारण कर दो पगों में स्वर्ग व पृथ्वी लोक नाप लिए और राजा से बोले, "तीसरा पग कहाँ रखूँ?" राजा ने सिर झुका दिया और जैसे ही भगवान विष्णु ने सिर पर पैर रखा, वे पाताल लोक चले गए। भगवान ने प्रसन्न होकर राजा महाबलि को पाताल का राजा बना दिया। राजा ने भगवान से प्रार्थना की, "हे भगवन्! मुझे हर वर्ष अपनी प्रजा से मिलने का वरदान दीजिए।" भगवान ने कहा, "तथास्तु" (ऐसा ही हो)।

केरलवासियों का विश्वास है कि राजा महाबलि प्रतिवर्ष केरल राज्य में अपनी प्रजा से मिलने अवश्य आते हैं। यही कारण है कि केरलवासी अपने राजा के स्वागत में "ओणम्" त्योहार मनाते हैं। 'ओणम्' आनंद और उल्लास के साथ पाँच दिन तक मनाया जाता है। रंग-बिरंगे फूलों से घरों को सजाते हैं। लोग विष्णु और महाबलि की मूर्तियाँ बनाकर रात्रि में पूजा करते हैं। पायसम् (खीर) मुख्य प्रसाद रहता है। नौका दौड़ का आयोजन जगह-जगह होता है। इस प्रकार यह त्योहार केरल में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।